* R E - 0 1 1 1 / 4 6 0 0 *

RE-0111

Second Year B. A. Examination

April / May – 2010

Hindi : Paper - I

(छायावादोत्तर हिन्दी काव्य)

Time : 3 Hours] [Total Marks : 70

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **S. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi : Paper - 1**

☛ Subject Code No. : **0 1 1 1** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं ।

१ एक सफल खण्डकाव्य के रूप में 'जयद्रथ–वध' काव्य की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

१ ''जयद्रथ–वध'' में गुप्तजीने अभिमन्यु के उज्जवल चरित्र को रूपायित किया है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए । १४

२ छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

२ 'समर शेष है' कविता में व्यक्त राष्ट्रीय भावना का परिचय दीजिए । १४

३ 'जयद्रथ–वध' के नायक के रूप में अर्जुन की चारित्रिक विशेषताओं का निरूपण करें । १४

अथवा

३ '' 'पटकथा' कविता में स्वाधीन भारत की यातना को यथार्थ की भूमि पर उजागर किया गया है'' – समझाइए । १४

४ टिप्पणियाँ लिखिए : १४

(अ) अर्जुन–प्रतिज्ञा

अथवा

(अ) 'जयद्रथ–वध' में वैकुंठ–वर्णन ।

(ब) 'हालावाद' के प्रवर्तक बच्चन

अथवा

(ब) 'प्रेत का बयान' कविता का कथ्य ।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(क) ''मैं सत्य कहता हूँ सखे ! सुकुमार मत मानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध को प्रस्तुत सदा जानो मुझे !
है और की तो बात ही क्या, गर्व मैं करता नहीं,
मामा तथा निज तात से भी समर में डरता नहीं ।''

अथवा

(क) ''सूर्यास्त से पहले न जो मैं कल जयद्रथ–वध करुँ,
तो शपथ करता हूँ स्वयं मैं ही अनल में जल मरु ॥''

(ख) ''श्वानों को मिलते दूध–वस्त्र, भूखे बालक अकुलाते हैं,
माँ की हड्डी से चिपक, ठिठुर जाड़ों की रात बिताते हैं,
युवती के लज्जा–वसन बेच जब ब्याज चुकाये जाते हैं
मालिक जब तेल–फुलेलों पर पानी–सा द्रव्य बहाते हैं ॥''

अथवा

(ख) ''पर कभी–कभी जब पागल आ जाता है,
लाता है रानी को, या गा जाता है;
तन मेरे उल्लू, साँप और गिरगिट पर,
अनजान एक सकता–सा छा जाता है ।''

(ग) ''यह खेल पाँसो का नहीं है, प्राण का पण आज है,
जो आज जीतेगा उसी का जीतना कुरुराज है ॥''

अथवा

(ग) मगर अब –
अब उसे मालूम है कि कविता
घेराव में
किसी बौखलाये हुए आदमी का
संक्षिप्त एकालाप है ।